PAGE No
DATE : / /201

09/04/19

पाठ-1
भविष्यत्

शब्द	अर्थ
निज	अपने
पूर्व	पहले का
ऐक्य	एकता, मेल
अलीक	बेसिर-पैर, झूठा
विपत्ति	कष्ट, मुसीबत
पूर्वजों	परबाबा, बाबा, दादा, पुरखे (एनसेस्टर)
सांप्रदायिक	संप्रदाय का (कॉम्यूनल)
रूढ़ियाँ	पुरानी प्रथाएँ, कुरीतियाँ
सहाय्य	सहायता, मदद, मैत्री
व्यथा	दुख

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न-1 हमें जीने की कला किससे सीखनी चाहिए?

उत्तर = हमें जीने की कला अपने पूर्वजों से सीखनी चाहिए।

प्रश्न-2 कविता में विविध सुमनों की माला से क्या तात्पर्य है?

उत्तर = कविता में विविध सुमनों की माला से तात्पर्य विभिन्न संप्रदायों (धर्मों) के लोगों को एक साथ मिलकर पूरे प्रेम भाव से देश को विकास के मार्ग पर ले जाने से है।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

प्रश्न-3 'चित्त से देशानुरागी' -का क्या अर्थ है?

उत्तर= 'चित्त से देशानुरागी' का अर्थ अपने देश के प्रति पूरे मन और आत्मा से समर्पित होना है, कि चाहे कुदरु भी हो जाए हम अपने देश से प्रेम करेंगे और इसकी मान-मर्यादा का ध्यान रखेंगे।

प्रश्न-4 देश में शांति और आपसी सौहार्द कैसे कायम किया जा सकता है?

उत्तर= देश में शांति और आपसी सौहार्द धर्म-जाति के नाम पर न झगड़ कर, दूसरों से प्रेम-भाव तथा समर्पित व्यवहार कर तथा दूसरों के दुख को अपना दुख समझकर कायम किया जा सकता है।

प्रश्न-5 रूढ़ियों और अंधविश्वासों का जीवन में क्या स्थान है। इनसे मुक्त कैसे हुआ जा सकता है?

उत्तर= रूढ़ियों और अंधविश्वासों का जीवन में कोई स्थान नहीं है, क्योंकि ये हमारे विकास में बाधक हैं तथा हम एक विकसित मानसिकता स्वस्थ वृहद् विचारधारा पर चलकर इनसे मुक्त हो सकते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

प्रश्न-1 कवि यत्नपूर्वक किनके पद-चिह्न खोज लेने की बात कर रहा है? क्यों?

उत्तर= कवि यत्नपूर्वक अपने महान पूर्वजों के पद-चिह्न खोज लेने की बात कर रहा है, क्योंकि वह अपने जीवन में उन्नति स्वयम् समाज की प्रगति के लिए अपने पूर्वजों के दिखाए आदर्शों पर चलना चाहता है।

प्रश्न-2 सांप्रदायिक भेदभाव से देश का क्या नुकसान होता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर= सांप्रदायिक भेदभाव से देश टुकड़ों में तो बँटता ही है, साथ-ही-साथ वह विकास की सुक्ष्म धारा से भी कट जाता है। लोग धर्म-जाति के नाम पर रक्त पात करते हैं, जिससे देश पतन की ओर बढ़ने लगता है।

प्रश्न-3 हम देशवासियों की सेवा किस प्रकार कर सकते हैं? कोई तीन बिंदु बताइए।

उत्तर= हम देशवासियों की सेवा निम्न प्रकार से कर सकते हैं:-

क-] उन्हें प्रेम, सुख और शांति के साधने समझाकर।

ख-] धर्म-जाति से हटकर उनके हर दुख में उनके साथ खड़े होकर।

ग-] देशवासियों के मन से पुरानी दकियानूसी बातों को निकालकर उनमें नवीन प्रगतिशील मानसिकता का समावेश करेंगे।

प्रश्न-4 कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर= कविता के माध्यम से हमें जीवन को आदर्श प्रकार से जीने का तरीका अपने पूर्वजों से

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

16/04/19

सीखना चाहिए। धर्म-जाति के नाम पर नहीं बल्कि भाई चारे, प्रेम और शांति पूर्ण तरीके से देश को आगे ले जाना है, जिसमें प्राचीन रूढ़िवादी नहीं बल्कि नवीन विचार धारा का समावेश होगा और ऐसे देश में हर कोई दूसरों के दुख को अपना दुख समझेंगे।

प्रश्न-5 क] साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के

उत्तर= कवि के अनुसार हमें अपने प्रत्येक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए एक साधक अर्थात् तपस्वी की भाँति पूरे प्रेमभाव से सुख-शांति की स्थापना करनी चाहिए।

ख-] देकर उन्हें सहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो।

उत्तर= इस पंक्ति में कवि ने दुखीजनों के दुख को अपना दुख समझकर एक इन्सान होने का फ़र्ज़ अदा करना चाहिए तथा हमसे जितना हो सके उतना दुखी जनों की सहायता करनी चाहिए और उनके संकट और दुखों को हर लेना चाहिए।

ग-] जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है।

उत्तर= इस पंक्ति में कवि ने लोगों से संकुचित मानसिकता को छोड़कर नवीन एवम् वृहद् विचारधारा से जुड़ने का आह्वान किया है कि लोग अवस्था के अनुसार ही समाज में उचित व्यवहार करें।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera